तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय समारोह आज से

नई दिल्ली (वि.सं.)। खाड़ी देशों में फैले प्रवासी भारतीयों की संख्या और उनका देश की अर्थव्यवस्था में योगदान काफी बड़ा है लेकिन हर वर्ष आयोजित होनेवाले प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में बोलबाला अमेरिका और यूरोप में बसे प्रवासियों का ही रहता है। तीन दिवसीय 'प्रवासी भारतीय दिवस' समारोह रविवार से यहां शुरू हो रहा है। दरअसल खाड़ी के प्रवासियों में श्रमिकों की संख्या अधिक होने से उन्हें तवज्जो नहीं मिलती। विश्व के 110 देशों में ढाई करोड़ भारतीय हैं, जिनमें से खाड़ी देशों में ही करीब 25 लाख।

भारत के लिए खाड़ी देशों का महत्व काफी ज्यादा है और भारत को खाड़ी सहयोग परिषद से अगले पांच वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट 'ग्लोबल इकोनोमिक प्रोस्पेक्टस' में बताया गया है कि वर्ष 2005 में प्रवासी भारतीयों ने भारत में 23 अरब 70 करोड़ डालर भेजा जिसमें से आधी राशि सिर्फ खाड़ी देशों से आयी।

उधर, खाड़ी देशों-कतर, बहरीन, ओमान, कुवैत, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यमन में काम करनेवाले भारतीय श्रमिकों का नियोक्ताओं द्वारा परेशान किया जाना, कामगार महिलाओं का यौन शोषण, बच्चों की शिक्षा का अभाव, धार्मिक आजादी पर अंकुश, स्थानीय लोगों का बुरा बर्ताव,

सबसे ज्यादा प्रवासी खाड़ी में, पर बोलबाला अमेरिकी-यूरोपीय का

समय पर वेतन नहीं और पासपोर्ट नहीं लौटाना जैसे मुद्दे श्रमिकों को परेशान किए रहते हैं। भारत सरकार ने कुछ कदम उठाए जरूर हैं लेकिन समस्याएं अभी भी बरकरार हैं। सरकार ने यूटीआई बैंक की मदद से ईरेमिटेंस की सुविधा प्रवासी भारतीयों के लिए दी। इसके अलावा बीमा और नियोक्ता देशों के साथ द्विपक्षीय श्रम समझौते की पहल की गई है और संयुक्त अरब अमीरात के साथ समझौता हो भी गया है। कुवैत के साथ बातचीत चल रही है। ओमान में लगभग साढ़े तीन लाख प्रवासी भारतीय हैं। बहरीन में 1,35,000। कतर की जनसंख्या का 18 फीसदी, सउदी अरब में 14 लाख 20 हजार, संयुक्त अरब अमीरात में 12 लाख और कुवैत में तीन लाख भारतीय हैं।

पंजाब में लुभाए जा रहे पूर्वांचल के मतदाता

हिन्दुस्तान

उप्र व बिहार के मजदूर समीकरण तय करने की बड़ी ताकत बने

अनिल वर्मा

रविवार, 4 फरवरी 2007

भटिंडा। विधानसभा चुनावों में लगभग सभी राजनीतिक दल इस बार पूर्वांचल के मतदाताओं को लुभाने के लिए रणनीति बनाने में लगे हैं। राज्य के 40 विधानसभा क्षेत्रों में फैले बिहार और उत्तर प्रदेश के श्रमिक मतदाता खन्ना, समराला, खरड़, कपूरथला, जलन्धर, राजपुरा, बढ़ाना और लुधियाना क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण को गड़बड़ाने की ताकत बन चुके हैं। चुनावी बिसात के जानकारों ने इस वोट बैंक को रिझाने के तरीके सुझाए हैं। ऐसे में भाजपा-अकाली गठबन्धन ने जलन्धर क्षेत्र में गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा आयोजित की।

सभाओं मे क्षेत्र के श्रमिकों की भागीदारी से भाजपा नेता काफी उत्साहित दिखे। जलन्धर उत्तरी में 20 हजार, जलन्धर (केन्द्रीय) में 8 हजार और दक्षिण में 10 हजार से ज्यादा श्रमिक मतदाता हैं। भाजपा यहां सिने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को लाने की तैयारी भी कर रही है। शरद यादव एक दौरा कर चुके हैं और उनका दूसरा दौरा 7-8 फरवरी को रखा गया है। कांग्रेस के कौन से नेता मतदाताओं को लुभाने आ रहे हैं, यह पूछने पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजपाल सिंह ने कहा कि यह फैसला दिल्ली से जल्दी ही हो जायेगा। उधर, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का पटियाला शहर विधानसभा से जीतने की प्रबल सम्भावना है। अमरिंदर का मुकाबला 17 उम्मीदवारों से है लेकिन मुख्य मुकाबला शिरोमणि अकाली दल (बादल) के सुरजीत सिंह से है।

मुन्ना की पत्नी ने भाजपा का गणित बिगाड़ा

अविकल थपलियाल

पार्टी ने मुन्ना के खिलाफ निर्दलीय उतारा

देहरादून। पति-पत्नी के एक साथ चुनाव मैदान में उतरने से भाजपा एक नये लफड़े में फंस गयी है।

विकासनगर विधानसभा से पार्टी के उम्मीदवार मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी का चकरौता सीट से चुनाव लड़ना भाजपा के लिए गर्म दूध की तरह हो गया है। हालात इतने संगीन हो चुके हैं कि गुस्साये मुन्ना समर्थक भाजपा कार्यालय में जबर्दस्त हंगामे को अंजाम दे चुके हैं। आलम यह है कि भाजपा को अपने अधिकृत प्रत्याशी मुन्ना सिनह चौहान को 'लाइन' पर लाने के लिए एक अनजान निर्दलीय को चुनावी अखाड़े में उतारने पर मजबूर होना पड़ा। इस नये संग्राम की मूल वजह पूर्व विधायक मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी मुध चौहान का चकरौता सीट से बतौर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरना है। इससे चकरौता में भाजपा उम्मीदवार प्रताप सिंह की चिंताएं तो बढ़ी ही हैं। साथ ही पार्टी के कई नेताओं को भी मुन्ना की पत्नी का चुनावी अखाड़े में उतरना अखर रहा है। मधु चौहान ने हाल ही में सरकारी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद चुनाव लड़ने का फैसला किया। इधर, प्रदेश स्तरीय कुछ नेताओं ने मुन्ना को गियर में लेने के लिए एक आनन-फानन में कुलदीप नाम के व्यक्ति का विकासनगर सीट से नामांकन करवा दिया। इतना ही नहीं प्रदेश अध्यक्ष कोश्यारी के हवाले से कुलदीप को नया सिंबल भी जारी कर दिया गया। जबकि मुन्ना सिंह चौहान पहले ही निर्वाचन कार्यालय में पार्टी का सिंबल जमा करा चुके हैं।